

पद्मश्री रामदयाल मुंडा

ढोल, बाँसुरी के साथ शिक्षा, भाषा, संस्कृति और राजनीति



सम्पादन
महादेव टोप्पो



पद्मश्री रामदयाल मुंडा
ढोल, बाँसुरी के साथ शिक्षा, भाषा, संस्कृति और राजनीति



पद्मश्री रामदयाल मुंडा

ढोल, बाँसुरी के साथ शिक्षा, भाषा, संस्कृति और राजनीति

चयन एवं सम्पादन

महादेव टोप्पो





वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक/संपादकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय, दिल्ली ही मान्य होगा।

© सम्पादक / लेखक

प्रथम संस्करण : 2025

ISBN 978-81-978606-1-4

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032

e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com

फोन : 7291920186, 09350809192 • [www : anuugyabooks.com](http://www.anuugyabooks.com)

आवरण :

बीजू टोप्पो, रूपेश साहू

मुद्रक

अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली-32

PADAMSHRI RAMDAYAL MUNDA: Dhol, Bansuri ke Saath Shiksha, Bhasha, Sanskriti aur Rajniti collection of Essays edited by Mahadev Toppo



पद्मश्री रामदयाल मुण्डा
के
परिजनों, मित्रों, छात्रों, विद्वानों, शुभचिंतकों
को
सादर समर्पित



आभार

पद्मश्री रामदयाल मुण्डा के बारे कोई किताब लाने की इच्छा उन्हें पद्मश्री सम्मान मिलने बाद से ही मन में थी। लेकिन, जब कई तरह की व्यस्तताओं के कारण उनके बारे एक स्वतंत्र पुस्तक न लिख सका, तो ख्याल आया कि क्यों न विद्वानों, मिलों से उनके बारे कुछ लिखवाया जाए। किन्तु यह भी पूरी तरह सफल न होने पर अंततः, कोशिश की कि उनके बारे जिन्होंने कुछ लिखा है, और जिन मिलों ने मेरे आग्रह पर लेख, संस्मरण आदि लिखे हैं, उसका संकलन प्रकाशित किया जाए। परिणामतः रामदयाल मुण्डा जी के बारे यह संकलन तैयार हो सका है। हम कृतज्ञ हैं रामदयाल मुण्डा जी और उनके परिवार से जुड़े उन सभी लेखकों, पत्रकारों, फिल्मकारों, विद्वानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा राजनीति, शिक्षा, कला, संगीत आदि से जुड़े शिष्यवृत्तों के जिनके लेख, संस्मरण, टिप्पणियाँ, समीक्षा आदि इस संग्रह में शामिल किए गए हैं। इस संकलन को तैयार करने में डॉ. अमिता मुण्डा, गुंजल इकिर मुण्डा, डॉ. गिरिधारी राम गौड़ू, शैलेन्द्र महतो, डॉ राम प्रसाद, डॉ. सावित्री बड़ाईक, विद्याभूषण, अनुज कुमार सिन्हा, रणेन्द्र, मेघनाथ, पुनीता जैन आदि ने जो सहायता की उनके प्रति हृदय से आभार। प्रभात खबर, राँची एक्सप्रेस, डहर, रूम्बुल आदि अखबारों, पत्रिकाओं, स्मारिकाओं से लेख आदि साभार लिए गए हैं। उनके प्रति धन्यवाद। कुछ लेख अंग्रेजी से अनूदित हैं। प्रमोद मीणा ने इनका अनुवाद किया है। संकलन के लिए दुर्लभ चित्तों को जुटाने में बीजू टोप्पो, रूपेश साहू और गुंजल इकिर मुण्डा ने बहुत श्रम किया है, इन सभी का आभार।

इस संकलन के लिए डॉ. जनार्दन, सुधीर पाल और प्रसिद्ध अंग्रेजी पत्रकार एवं संपादक उत्तम सेनगुप्ता ने विशेष रूप से लिखा। इन सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रकाशक सुधीर वत्स जी ने पुस्तक को प्रकाशित करने हेतु उत्साह दिखाया, जिसके कारण कि यह पुस्तक रामदयाल जी के शुभचिंतकों के समक्ष आ सकी है, उनका भी आभार। आशा है, यह संकलन रामदयाल मुण्डा जी के विविधतापूर्ण, बहुमुखी प्रतिभा को समझने में न केवल सहायता करेगा बल्कि आदिवासी जीवन, भाषा, संस्कृति, साहित्य, अध्यात्म, राजनीति, समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी प्रकाश डालेगा। अंत में पुनः इस संकलन को तैयार करने हेतु जुड़े समस्त मिलों के साथ-साथ पुस्तक के पाठकों, शुभचिंतकों, छात्रों, शोधकर्ताओं को भी हार्दिक जोहार!

महादेव टोप्पो
राँची, झारखण्ड



अनुक्रम

आभार		7
1. जल, जंगल, जमीन का सवाल	– फैसल अनुराग से बातचीत पर आधारित	13
2. डॉ. रामदयाल मुंडा के सपने	– कुँवरसिंह पाहन	17
3. आदिवासियों का अस्तित्व संघर्ष	– डॉ. रामदयाल मुंडा	20
4. डॉ. मुंडा के सपनों का झारखंड	– डॉ. अशोक कुमार नाग	24
5. डॉ. रामदयाल मुंडा का प्रभाव दो किस्तों में हुआ सम्पन्न – एक सामाजिक सांस्कृतिक अनुष्ठान	– अशोक पागल	26
6. डॉ. मुंडा : झारखंड के कोहिनूर	– डॉ. रामप्रसाद	33
7. डॉ. रामदयाल मुंडा की राजनीतिक चिन्ता	– डॉ. वी.पी. केशरी	43
8. अखरा का अप्रतिम मनीषी कलाकार पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा	– गिरिधारी राम गौड़ू 'गिरिराज'	47
9. डॉ. रामदयाल मुंडा जैसा मैंने उन्हें जाना	– उत्तम सेनगुप्ता	51
10. होंठों से वंशी का रूठ जाना	– डॉ. शैलेश पंडित	57
11. पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा : एक चिन्तन	– सोमा सिंह मुंडा	64
12. डॉ. रामदयाल मुंडा : ईमानदार जननायक	– डॉ. देवशरण भगत	68
13. पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा एवं राजनीति !	– कुमार वरुण	71
14. आदिवासी : मिथ और यथार्थ	– रणेन्द्र	75
15. रामदयाल मुंडा : अद्भुत व्यक्तित्व	– डॉ. अनुज कुमार सिन्हा	81
16. देश का एक महानायक खो गया	– रमणिका गुप्ता	84
17. झारखंड के सांस्कृतिक-बौद्धिक आन्दोलन के पुरोधा : डॉ. रामदयाल मुंडा	– शैलेन्द्र महतो	88
18. बनिया बनने में हजार-दो हजार वर्ष लगेगा आदिवासियों को	– विनोद कुमार	93
19. डॉ. रामदयाल मुंडा : एक असाधारण व्यक्तित्व	– सबरण सिंह मुंडा	98

20. महान विभूति पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा	-उमेश कालिन्दी	101
21. भाषिक और सांस्कृतिक उलगुलान के प्रणेता	-बीरेन्द्र सोय	105
22. कला-संस्कृति के अनन्य उपासक : डॉ. मुंडा	-डॉ. जिन्दरसिंह मुंडा	108
23. बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी : डॉ. मुंडा	-प्रो. (डॉ.) सत्यनारायण मुंडा	112
24. झारखंड के रवीन्द्रनाथ टैगोर थे डॉ. मुंडा	-मेघनाथ	115
25. और झारखंड का सूर्य डूब गया !	-गिरिधारी राम गौड़ 'गिरिराज'	120
26. एक चुम्बकीय व्यक्तित्व	-सविता केशरी	125
27. उन्होंने माटी का कर्ज चुकाया	-बलबीर दत्त	127
28. डॉ. रामदयाल मुंडा मूलतः साहित्यिक संस्कार और सांस्कृतिक रुझान के व्यक्ति थे	-अशोक प्रियदर्शी	130
29. शालवन के अन्तिम शाल की याद	-विद्याभूषण	133
30. डॉ. रामदयाल मुंडा के बिना सांस्कृतिक आन्दोलन	-गुंजल इकिर मुंडा	137
31. निहितार्थ	-अशोक पागल	141
32. देशज अस्मिता के आधुनिक स्वप्नदृष्टा : रामदयाल मुंडा	-अनिल अंशुमन	142
33. डॉ. रामदयाल मुंडा-मेरे हीरो	-श्री प्रकाश	146
34. डॉ. रामदयाल-इन्सानियत की एक हृद यह भी	-डॉ. विशेष्वर प्रसाद केशरी	149
35. डॉ. रामदयाल मुंडा : क्या भुलूँ क्या याद करूँ	-डॉ. हरेन्द्र प्र. सिन्हा	151
36. डॉ. मुंडा के लिए अखरा के मायने	-राहुल मेहता	155
37. गीत की अन्तिम कड़ी	-अंजु कुमारी साहु	158
38. अखड़ा में मुंडा मामा	-वंदना टेटे	160
39. मुंडा काका-हमारे आदर्श	-सच्ची कुमारी	163
40. मेरा काका रामदयाल मुंडा	-सीमा केशरी	169
41. जे नाची से बाँची	-आलोका	173
42. डॉ. रामदयाल मुंडा : अपने को जानने वालों को सम्मोहित करती आदिवासीयत से स्पंदित	-स्टैन स्वामी	176
43. डॉ. रामदयाल मुंडा का चिन्तन- आदिवासी स्वशासन की चुनौतियाँ	-सुधीर पाल	180

44. डॉ. मुंडा का साहित्य कुछ बोलता है	—शान्ति नाग	195
45. प्रकृति के मानवीकरण के चतुर चितेरे हैं रामदयाल मुंडा	—दयाशंकर	198
46. आदिवासी परम्परा और युगबोध के संवाहक : रामदयाल मुंडा	—पुनीता जैन	203
47. नदी और उसके सम्बन्धी तथा अन्य नगीत की समीक्षा	—गिरिधारी राम गौड़ 'गिरिराज'	223
48. समीक्षा : डॉ. रामदयाल मुंडा का आदिधर्म	—गिरिधारी राम गौड़ 'गिरिराज'	229
49. रामदयाल मुंडा की कविताएँ मनुष्य और प्रकृति से संवाद की कविताएँ हैं	—जनार्दन	235
50. कवि रामदयाल मुंडा	—सावित्री बड़ाईक	243
51. कथन शालवन के अन्तिम शाल का : कवि रामदयाल मुंडा की कालजयी कविता	—डॉ. सावित्री बड़ाईक	253
संक्षिप्त जीवन-वृत		269



